5. मुद्राराक्षसम् नाटक के आधार पर चाणक्य का चरित्र-चित्रण कीजिए।

6. मेघे माघे गतं वयः पंक्ति की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

7. मृच्छकटिकम् प्रकरण के आधार पर वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

   (अ) अत्यादरः शङ्कनीयः।

   (ब) अनुभूयतां चिरं विचित्रो राजप्रसादः

   (स) कार्याणां गतयोविधेरपि न यान्त्याज्ञाकरत्वं चिरात्

   (द) स्वपतोऽपि ममेव यस्य तन्त्रे गुरवो जाग्रति कार्य जागरूकाः।

9. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** सूक्तियों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :

   (अ) कामार्ता हि प्रकृतिकृपणाश्चेतनाचेतनेषु।

   (ब) याञ्चा मेघा वरमधिगुणे नाधमे लब्धकामा।

   (स) आशाबन्धः कुसुमसदृशं प्रायशो ह्यङ् गनानां।

   (द) न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय।

MASA–02

December – Examination 2021

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

ललित साहित्य एवं नाटक

Paper : MASA-02

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **4×4=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार, एक वाक्य, एक शब्द या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) प्रायः सर्वो भवति करुणावृत्तिरार्द्रान्तरात्मा सूक्ति का क्या अर्थ है ?

   (ii) मृच्छकटिकम् के अनुसार धूता कौन है ?

(iii) मृच्छकटिकम् किस प्रकार का रूपक है ?

(iv) मुद्राराक्षसम् का मुख्य रस क्या है ?

(v) गीतिकाव्य किसे कहते हैं ?

(vi) श्रव्यकाव्य किसे कहते हैं ?

(vii) कार्यावस्था क्या है ?

(viii) मुद्राराक्षस के तीन पात्रों के नाम लिखिए।

(ix) बीज संधि किसे कहते हैं ?

(x) मेघदूत किस प्रकार का काव्य है ?

खण्ड—ब **4×16=64**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सन्दर्भ, प्रसंग एवं अन्वय सहित हिन्दी भाषा में अनुवाद कीजिए :

(अ) हस्ते लीलाकमलमलके बालकुन्दानुविद्धं
नीता लोध्रप्रसवरजसा पाण्डुतामानने श्रीः।
चूडापाशे नवकुरबकं चारु कर्णे शिरीषं
सीमन्ते च त्वदुपगमजं यत्रं नीपं वधूनाम्॥

अथवा

(ब) कर्णेनेव विषानैङ्गकपुरुषव्यापादिनी रक्षिता
हन्तुं शक्तिरिवार्जुनं बलवती या चन्द्रगुप्तं मया।
सा विष्णोरिव विष्णुगुप्तहतकस्यात्यन्तिकश्रेयसे
हैडिम्बेयमिवेत्य पर्वतनृपं तद्वध्यतेवावधीत्॥

3. निम्नलिखित में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग व्याख्या संस्कृत भाषा में कीजिए :

(अ) एतत्तु मां दहति यद् गृहमस्मदीयं
क्षीणार्थमित्यतिथयः परिवर्जयन्ति।
संशुष्कसान्द्रमदलेखमिव भ्रमन्तः
कालात्यये मधुकराः करिणः कपोलम्॥

अथवा

(ब) विपर्यस्तं सौधं कुलमिव महारम्भरचलं
सरः शुष्कं साधोर्हृदयमिवनाशेन सृहृदाम्।
फलैर्हीना वृक्षा विगुणनृपयोगादिव नया-
स्तृणैश्छन्ना भूमिर्मतिरिव कुनीतैरविदुषः॥

4. गीतिकाव्य के उद्भव एवं विकास पर लेख लिखिए।